No. of Printed Pages : 6

MES–012

MASTER OF ARTS (EDUCATION)

(MAEDU)

Term-End Examination

June, 2024

MES–012 : EDUCATION : NATURE AND PURPOSES

Time : 3 Hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *All questions are compulsory. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about **600** words :

   Discuss how education is a process of socialization. Differentiate between enculturation and acculturation.

   Or

   Differentiate between the Aims of Education as propounded by the Buddhist and Jain philosophies of education.

2. Answer the following question in about **600** words :

   Describe the process of curriculum development. Discuss the tasks involved at each stage.

   Or

   "Education is a process of promoting desirable behaviours and extinction of undesirable behaviours." Explain.

3. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each :

   (a) Differentiate among the concepts of formal, non-formal and informal education.

   (b) Discuss the learner-centered approach to curriculum development.

   (c) Discuss 'Pratyaksha' as a source of knowledge.

   (d) Briefly discuss Paulo Friere's philosophy of the pedagogy of the oppressed.

(e) Elucidate the main features of the nature of knowledge according to 'Sankhya Yoga'.

(f) Discuss the influence of emerging social trends on education.

4. Answer the following question in about **600** words :

Discuss the Aims of Education during the post-independence period in India as envisioned in various commissions and policy frameworks.

MES–012

स्नाकोत्तर कला (शिक्षा) (एम. ए. ई. डी. यू.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.ई.एस.–012 : शिक्षा : प्रकृति एवं प्रयोजन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों की भारिता समान है।*

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

   शिक्षा किस प्रकार सामाजीकरण की एक प्रक्रिया है, परिचर्चा कीजिए। स्वसंस्कृतिग्रहण और परसंस्कृतिग्रहण में अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

शिक्षा के बौद्ध एवं जैन दर्शनों द्वारा प्रस्तुत शिक्षा के उद्देश्यों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। प्रत्येक चरण में शामिल कार्यों की परिचर्चा कीजिए।

अथवा

"शिक्षा वांछित व्यवहारों को बढ़ावा देने और अवांछित व्यवहारों के उन्मूलन की एक प्रक्रिया है।" व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में) दीजिए :

(क) औपचारिक, निरौपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा की अवधारणाओं में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(ख) पाठ्यचर्या विकास के शिक्षार्थी-केन्द्रित उपागम की परिचर्चा कीजिए।

(ग) ज्ञान के स्रोत के रूप में 'प्रत्यक्ष' की परिचर्चा कीजिए।

(घ) पाउलो फ्रीरे (Paulo Friere) के दलितों के शिक्षण के दर्शन की संक्षेप में परिचर्चा कीजिए।

(ङ) 'सांख्य योग' के अनुसार ज्ञान की प्रकृति की मुख्य विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।

(च) शिक्षा पर उभरती हुई सामाजिक प्रवृत्तियों के प्रभाव की परिचर्चा कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

विविध आयोगों एवं नीतिगत रूपरेखाओं में परिकल्पित भारत में स्वातंत्र्योत्तर काल के दौरान शिक्षा के उद्देश्यों की परिचर्चा कीजिए।